पूर्व मध्य रेल

प्रबंधन में रेल कर्मचारियों की भागीदारी

PARTICIPATION OF RAILWAY EMPLOYEES IN MANAGEMENT – (PREM)

वर्ष 2021

प्रेम समूह प्रथम बैठक

स्थान :
मुख्यालय सभाकक्ष,हाजीपुर

दिनांक : 24.03.2021
समय : 11.00 बजे

सूची

क्र.सं.	मद	पृष्ट सं.
1.	मिनट दर मिनट बैठक की कार्यवाही।	2
2.	परिचय एवं उद्देश्य।	3–4
3.	वर्तमान एजेंडा ।	5
4.	पिछले प्रेम बैठक (21.11.2019) की कार्यवृत्त पर मदवार टिप्पणी।	6–10

मिनट दर मिनट प्रेम बैठक की कार्यवाही

क्र.सं.	मद	अधिकारी	बजे से	बजे तक
1.	प्रेम ग्रुप के सदस्यों का स्वागत।	उप महाप्रबंधक (सा.)	11.00	11.05
2.	अध्यक्ष/प्रेम ग्रुप द्वारा अध्यक्षीय संबोधन।	महाप्रबंधक	11.05	11.10
3.	प्रेम ग्रुप सदस्य के वक्तागण :–			
	ईसीआरकेयू	अध्यक्ष	11.10	1150
		महासचिव		
		अपर महासचिव		
		सहायक महासचिव		
	एस0सी0 एवं एस0टी0 एशो0	जोनल अध्यक्ष	11.50	12.10
		जोनल सचिव		
	ईसीआरपीओए	अध्यक्ष	12.10	12.30
		महासचिव		
	ईसीआरओए	अध्यक्ष	12.30	12.50
		महासचिव		
4.	वर्तमान एजेंडा पर विभागाध्यक्षों द्वारा चर्चा :	सभी विभागाध्यक्ष	12.50	13.10
5.	वर्तमान एजेंडा पर खुली चर्चा।	अध्यक्ष की अनुमति से	13.10	13.25
6.	धन्यवाद ज्ञापन।		13.25	13.30

परिचय

- प्रेम(PREM)–प्रबंधन में रेल कर्मचारियों की भागीदारी
- इसे रेल मंत्रालय स्तर पर वर्ष–1972 में एवं क्षेत्रीय रेल स्तर पर वर्ष–1977 में स्थापित किया गया था।
- भारतीय रेल में यह त्रिस्तरीय आधार पर कार्य करता है।
  1. रेलवे बोर्ड स्तर(श्रम प्रबंधन का कॉरपोरेट इंटरप्राइजेज समूह)
  2. क्षेत्रीय रेल स्तर
  3. मंडल रेल स्तर

रेलवे बोर्ड स्तर

- अध्यक्ष– अध्यक्ष रेलवे बोर्ड
- संयोजक– सचिवरेलवे बोर्ड
- प्रशासन की ओर से–सदस्य रेलवे बोर्ड,सलाहकार एवं कार्यकारी निदेशक
- कर्मचारी कीओर से–एआईआरएफ एवं एनएफआईआर के चार–चार प्रतिनिधि
- रेलवे अधिकारी संघ के –दो प्रतिनिधि
- रेलवे प्रोमोटी अधिकारी संघ के–दो प्रतिनिधि

क्षेत्रीय रेल स्तर

- अध्यक्ष– महाप्रबंधक
- सचिव – उप महाप्रबंधक/सामान्य
- प्रशासन की ओर से – अपर महाप्रबंधक एवं सभी प्रधान विभागाध्यक्ष
- कर्मचारी की ओर से –ईसीआरकेयू(प्रभावित यूनियन) के चार प्रतिनिधि
- रेलवे अधिकारी संध के –दो प्रतिनिधि
- रेलवे प्रोमोटी अधिकारी संघ के –दो प्रतिनिधि
- एससी/एसटी संध के–दो प्रतिनिधि
- ओबीसी संध के–दो प्रतिनिधि
- आरपीएफ संध के–दो प्रतिनिधि

मंडल रेल स्तर

- अध्यक्ष– मंडल रेल प्रबंधक
- सचिव – वरि0 मंडल कार्मिक अधिकारी /मंडल कार्मिक अधिकारी
- प्रशासन की ओर से –अपर मंडल रेल प्रबंधक एवं सभी शाख अधिकारी
- कर्मचारी की ओर से –ईसीआरकेयू(प्रभावित यूनियन) के चार प्रतिनिधि
- रेलवे अधिकारी संध के–दो प्रतिनिधि
- रेलवे प्रोमोटी अधिकारी संध के –दो प्रतिनिधि

वर्ष 2018 में क्षेत्रीय रेल स्तर पर आयोजित प्रेम बैठक

- प्रथम बैठक : 15 मई 2018
- द्वितीय बैठक : 11 सितंबर 2018
- तृतीय बैठक : 27 नवम्बर 2018

वर्ष 2019 में क्षेत्रीय रेल स्तर पर आयोजित प्रेम बैठक

- प्रथम बैठक : 28 जनवरी 2019
- द्वितीय बैठक : 10 जुलाई 2019
- तृतीय बैठक : 21 नवम्बर 2019

वर्ष 2021में क्षेत्रीय रेल स्तर पर आयोजित प्रेम बैठक

- प्रथम बैठक : 24 मार्च 2021

उद्देश्य

- रेलवे संगठन की व्यवहारिक कार्यक्षमता को विकसित करने और रेलवे की सेवा प्रदाता संगठन की छवि बनाये रखने के मुख्य उद्देश्य से प्रबंधन मे श्रमिकों की बेहतर और सुव्यवस्थित भागीदारी सुनिश्चित करना।
- रेलवे संगठन के संचालन और गठन करने हेतु विचारों का प्रमाणित एवं निर्वाध रुप से आदान–प्रदान करना।
- निवेश कार्यक्रमों खासकर आवास और कल्याण गतिविधियों का मूल्यांकन।
- नोटः कर्मचारी मामलों पर विमर्श तब तक नहीं हो सकता जब तक कि संगठन को समग्र उत्पादकता के साथ नहीं जोड़ा जाय।

प्रबंधन मे श्रमिकों की भागीदारी

- 1917 में यूनाइटेड किंगडम में **बहीट्ले** समिति ने अनुशंसा की थी कि निम्न के विमर्श के लिए कर्मचारियों को भाग लेने का अवसर देना चाहिएः–
- संगठन, कर्मचारी और समुदाय के सामान्य लाभ के लिए उत्पादकता बढ़ाने हेतु।
- उत्पादकता की प्रक्रिया में कर्मचारी को संगठन में उनकी भूमिका को बेहतर रुप से समझने के लिए।
- औद्योगिक शांति, बेहतर संबंध और सहयोग प्राप्त करने के लिए कर्मचारियों की स्वयं को अभिव्यक्त करने की इच्छा को संतुष्ट करने के लिए।
- रेलवे में ट्रेड यूनियन के प्रतिनिधियों को लंबे समय से साझा बनाते हुए श्रमिकों की भागीदारी निम्न विभिन्न क्षेत्रों के लिए रही हैः–
- कर्मचारी कल्याण निधि समिति
- आवास समिति
- रनिंग रुम सलाहकार समिति
- कैंटीन प्रबंधन समिति
- हॉस्पीटल विजिटिंग समिति
- श्रमिक सलाहकार समिति
- रेलवे इंस्टीट्यूट और क्लब का कार्यकारी समिति
- वर्कशॉप उत्पादकता परिषद्
- इसके अतिरिक्त रेलवे बोर्ड, क्षेत्रीय रेल और मंडलों में प्रबंधन में श्रमिकों की भागीदारी, प्रबंधन और श्रमिकों की सामूहिक उद्यम समूहका गठन कर लिया गया है जिसे अब **प्रबंधन में रेलवे कर्मचारियों की भागीदारी (प्रेम) कहा जाता है।**

चर्चा का विषय

1. कोविड-19- सावधानी एवं इससे संबंधित कार्य योजना ।

2. संरक्षा मामलो :-

    क. रोलिंग डाउन मामले ।

    ख. आग से होने वाली दुर्घटना से संबंधित मामलो ।

3. ई-ऑफिस एवं वीडियों कांफ्रेंसिंग से कार्यक्षमता में विस्तार ।

4. रेल कर्मियों के विभिन्न प्रशिक्षण संबंधी मुद्दे ।

पिछला प्रेम बैठक (दिनांक 21.11.2019) के कार्यवृत पर मदवार टिप्पणी :–

क्र.सं.	मद	प्रविभागाध्यक्ष	अभियुक्ति
1.0	**श्री विश्व मोहन सिंह, अध्यक्ष, ईसीआरकेयू**		
1.1	तेजस में सारा इंफ्रास्ट्रक्चर हमारे लग रहे हैं केवल कॉमर्शियल हैंडलिंग उनके जिम्मे है इससे हमारी आय प्रभावित होगी क्योंकि इससे अन्य ट्रेनों की समय पाबंदी के कारण यात्री प्रभावित होगे और वे यात्रा के अन्य साधनों की ओर आकर्षित होगे। अतः इस पर गौर करने की आवश्यक्ता है।	प्रमुवाप्र प्रमुपरिप्र	यात्रियों की सुविधा एवं आय को बढ़ाने हेतु रेलवे द्वारा तेजस गाड़ी का प्रबंधन आई.आर. सी.टी सी द्वारा कराने का निर्णय लिया गया है। परिचालन विभाग से संबंधित नहीं है क्योंकि संबंधित गाड़ी का परिचालन पूर्व मध्य रेल में नहीं हो रहा है ।
1.2	टेंडर होने के बाद ट्रैक मैंटेनेंस/सीटीआर के काम में रेल कर्मचारी एवं प्राईवेट ऐजेंसी दोनो को ही वेतन/भत्ते दिये जा रहे है जबकि रेल कर्मचारी को उक्त टेंडर के कार्यो से अलग किसी अन्य कार्यो में लगाया जाना चाहिए।	प्रमुइं	टेन्डर होने के बाद मेन्टेनेंस/सीटीआर कार्य को प्राइवेट एजेन्सी के कर्मियों के द्वारा ही किया जाता है। सुरक्षा को देखते हुए कार्य की गुणवता के देख–रेख के लिए कुछ रेल कर्मचारी को रखा जाता है।
1.3	एक ही प्रकृति के कार्य में प्राईवेट और रेल दोनों को शामिल नहीं किया जाना चाहिए उदाहरणार्थ हम मिट्टी का कार्य प्राईवेट एजेंसी को देते हैं और ड्रेसिंग का कार्य खुद करते हैं ऐसा नहीं होना चाहिए।	सभी प्रधान विभागाध्यक्ष	जिस कार्य के लिए एजेंसी का निर्धारण कर दिया जाता है उस कार्य के दौरान सभी कार्य एजेन्सी के कर्मियों द्वारा ही किया जाता है। – **प्रमुइं** नोट किया गया। – **प्रमुसिदूइं** नोट किया गया। – **प्रमुविइं** परिचालन विभाग से संबंधित नहीं है। – **प्रमुपरिप्र** सुनिश्चित किया जाता है। –**प्रमुचिनि** नोट किया गया, भविष्य में सुनिश्चित किया जाएगा।–**प्रमुसाप्र** संरक्षा विभाग से संबंधित नही है।–मुसंधि नोट किया गया । –**प्रमुवाप्र** यांत्रिक के कोचिंग एवं ईएनएचएम विभाग के अंतर्गत जो कार्य Outsourced हैं, उनमें कार्य की पूरी जिम्मेदारी Private Agency की सुनिश्चित की गई है। –**प्रमुयांई**
2.0	**श्री एस.एन.पी.श्रीवास्तव, महासचिव/ईसीआरकेयू**		
2.1	आउटसोर्सिंग में कर्मचारियों को बहुत कम वेतन दिया जाता है जिससे उसके जीवन यापन प्रभावित होता है अतः समान काम के लिए समान वेतन लागू होना चाहिए।	सभी प्रधान विभागाध्यक्ष	यह नितिगत मामला है। – प्रमुइं आउटसोर्स के तहत् कार्यरत कर्मी का वेतन भुगतान में श्रम मंत्रालय द्वारा जारी लेबर एक्ट के नियमों के अनुसार किया जाता है।– **मुसुआ** मजदुरों को न्युनतम मजदुरी के अनुरूप भुगतान हेतु रेलवे बोर्ड को प्रावधान है। – **प्रविस**

			नोट किया गया। – **प्रमुसिदूइं** नोट किया गया। – **प्रमुविइं** नोट किया गया एवं इसके कार्यान्वयन हेतु मंडलों को निर्देश दिये गये हैं। – **प्रमुपरिप्र** यह नितिगत मामला है।–**प्रमुचिनि** यह नितिगत मामला है। –**प्रमुकाधि** नोट किया गया, भविष्य में सुनिश्चित किया जाएगा।–**प्रमुसाप्र** संरक्षा विभाग से संबंधित नही है।–मुसंधि रेलवे द्वारा आउटसोर्सिंग का कार्य किसी एजेंसी को दिया जाता है तथा कर्मचारियों को वेतन देने के लिए नियमानुसार "Minimum wages Act को सुनिश्चित किए जाने का कॉन्ट्रैक्ट में प्रावधान है।–**प्रमुवाप्र** Outsourced कर्मचारियों को न्यूनतम मजदूरी देना सभी बवदजतंबजे में सुनिश्चित किया गया है तथा एजेंसी द्वारा इसके Documentary evidence देने के उपरांत ही Agency को बिल भुगतान किया जाता है।–**प्रमुयांई**
2.2	कौन सा काम एजेंसी करेगा और कौन सा काम कर्मचारियों द्वारा किया जायगा। यह स्पष्ट होना चाहिए।	सभी प्रधान विभागाध्यक्ष	कार्य की प्रकृति को देखते हुए निर्णय लिया जाता है कि कार्य प्राइवेट एजेन्सी से कराया जाना है या विभागीय कर्मचारी से। – **प्रमुइं** डाइरेक्टिव 36 के तहत् इसका निर्धारण किया जाता है।– **मुसुआ** सक्षम स्तर पर इसका निर्णय लिया जाता है।– **प्रविस** नोट किया गया। – **प्रमुसिदूइं** नोट किया गया। – **प्रमुविइं** नोट किया गया एवं इसके कार्यान्वयन हेतु मंडलों को निर्देश दिये गये हैं। – **प्रमुपरिप्र** यह नितिगत मामला है।–**प्रमुचिनि** नोट किया गया, भविष्य में सुनिश्चित किया जाएगा।–**प्रमुसाप्र** संरक्षा विभाग से संबंधित नही है।–मुसंधि यह स्पष्ट है और सक्षम अधिकारी से अनुमोदन के पश्चात ही काम का काम outsourcing किया जाता है। –**प्रमुवाप्र** सभी एग्रीमेंट में यह वर्गीकरण सुनिश्चित किया जाता है। –**प्रमुयांई**
2.3	आउटसोर्सिंग के एग्रीमेंट की कॉपी यूनियन के पास भी होना चाहिए एवं संबंधित विभाग में प्रदर्शित होना चाहिए।	सभी प्रधान विभागाध्यक्ष	अनुपालन हेतु नोट किया गया। – **प्रमुइं** सक्षम स्तर पर इसका निर्णय लिया जाता है।– **प्रविस** नोट किया गया। – **प्रमुसिदूइं** नोट किया गया। – **प्रमुविइं** नोट किया गया एवं इसके कार्यान्वयन हेतु मंडलों को निर्देश दिये गये हैं। – **प्रमुपरिप्र** सुनिश्चित किया जाता है।–**प्रमुचिनि** नोट किया गया। – **प्रमुकाधि** नोट किया गया, भविष्य में सुनिश्चित किया

			जाएगा।**–प्रमुसाप्र** संरक्षा विभाग से संबंधित नही है।–मुसंधि इस संबंध में निर्देश जारी किया गया है।। –प्रमुवाप्र outsourcing के एग्रीमेट की सारी शर्ते IREPS Website पर उपलब्ध रहती है साथ ही workplace पर उसकी Hard copy की उपलब्धता सुनिश्चित की जाती है। **–प्रमुयांई**
2.4	रेलवे के खर्च में कमी और आय में वृद्धि के संबंध में लैण्ड लाईन टेलीफोन (बीएसएनएल) को सरेंडर करने पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। इस संबंध में मैं अपना प्रेम ग्रुप द्वारा दिए गए आवासीय लैंड लाईन (बीएसएनएल) को सरेंडर करने पर विचार कर रहा हूँ।	उमप्र/सा प्रमुसिदूइं	महामंत्री ईसीआरकेयू का आवासीय (बीएसएनएल) टेलीफोन सं. 2240940 सरेंडर हेतु प्राप्त पत्र दिनांक 07.02.2020 प्रमुसिदूइं को भेजा गया है। इस संबंध में संकेत एवं दूरसंचार विभाग द्वारा इस संबंध में कार्रवाई शुरू कर दी गयी है।
3.0	**श्री डी.के.पांडेय, अपर महासचिव/ ईसीआरकेयू**		
3.1	जहां भी रेलवे की भूमि का अनधिकृत कब्जा किया गया है उसे मुक्त कराया जाना चाहिए।	प्रमुइं प्रमुसुआ	समय–समय पर रेलवे के भूमि का अनधिकृत कब्जा स्थानीय प्रशासन की मदद से हटा दिया जाता है तथा दुबारा अतिक्रमण न हो इस पर भी ध्यान रखा जाता है। संबंधित विभाग से सूचना प्राप्त होने पर रेलवे की भूमि का अनधिकृत कब्जा हटाने के अभियान में रे0सु0ब0 की तैनाती की जाती है।
3.2	रेलवे की वर्तमान स्थिति काफी चिंता का विषय है और यह एक ज्वलंत समस्या भी है। इसी परिपेक्ष में रेलवे की भूमि का वाणिज्यिक प्रयोग किया जाना चाहिए तथा इसके लिए एक विशिष्ट योजना बनाई जाय। जिससे रेल राजस्व में वृद्धि हो एवं बेरोजगारी दूर करने में सहायक हो।	प्रमुइं	रेलवे की भूमि का वाणिज्यिक प्रयोग लीज, लाइसेंसिंग के द्वारा किया जाता है जिससे राजस्व की प्राप्ति होती है। आरएलडीए के माध्यम से रेलवे की खाली पड़ी भूमि का वाणिज्यिक प्रयोग किया जाता है।
3.3	रेलवे के खाली पड़ी जमीन का योजनाबद्ध तरीके से सदुपयोग होना चाहिए ताकि रेल की आय में वृद्धि हो सके ।	प्रमुइं, प्रमुवाप्र	आर.एल.डीए के माध्यम से रेलवे की खाली पड़ी भूमि का वाणिज्यिक प्रयोग किया जाता है जिससे रेलवे को राजस्व की प्राप्ति होती है। इस पर गंभिरता पूर्वक विचार किया जा रहा है।
4.0	**श्री एस.एस.डी.मिश्रा, सहायक सचिव/ईसीआरकेयू**		
4.1	रेलवे में भाड़ा एक बार में नहीं बल्कि पेट्रोल दर की तरह धीरे धीरे बढाया जाना चाहिए ताकि यात्री को बढी हुई रेल भाड़े का कोई एहसास ना हो सके।	प्रमुवाप्र	वणिज्य परिपत्र सं. 65/2019 दिनांक 31.12. 2019 के द्वारा यात्री भाड़े में मामूली वृद्धि की गइ है जो कि दिनांक 01.01.2020 से प्रभावित है।
4.2	प्राइवेट ट्रांसपोर्ट की तुलना में हमारे रेलवे का भाडा काफी कम हैं अतः इसे तुलनात्मक रूप से बढाने की आवश्यकता है।	प्रमुवाप्र	वणिज्य परिपत्र सं. 65/2019 दिनांक 31.12. 2019 के द्वारा यात्री भाड़े में मामूली वृद्धि की गई है जो कि दिनांक 01.01.2020 से प्रभावित है।

4.3	हमें देखना चाहिए कि जिन ट्रेनों में डायनामिक फेयर सिस्टम है उनमें सीटें भर रहे है या नहीं ।	प्रमुवाप्र	पूर्व मध्य रेल के अधीन वर्तमान में 2 गाड़ियों (12309/12310 राजेंद्रनगर –नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस एवं 22214/22213 पटना–शालीमार दुरंतो एक्सप्रेस) में डायनामिक फेयर सिस्टम लागू है, जिसके सीटों की उपयोगिता के बारे में पी.पी.एम अनुभाग द्वारा हमेशा विश्लेषण किया जाता है। दिनांक 01.04.2019 से 30.11.2019 की अवधि के दौरान गाड़ी सं.12309 एवं 12310 की उपयोगिता क्रमशः101 प्रतिशत एवं 102 प्रतिशत रही है। इसी प्रकार इसी अवधि के दौरान गाड़ी सं. 22214 एवं 22213 की उपयोगिता क्रमशः 97 प्रतिशत एवं 91 प्रतिशत रही है।
5.0	**श्री दिनेश शर्मा, जोनल महासचिव/ओबीसी एशो.**		
5.1	रेलवे की खाली पड़ी जमीन पर भवन बनाकर रेल कर्मचारियों को बेच दिया जाय अथवा खाली पड़े जमीन को रेलवे के रिटायर्ड कर्मचारियों को प्रयोग हेतु दे दिया जाय जिससे रेल राजस्व में वृद्धि हो सके।	प्रमुइं, प्रमुकाधि	नीतिगत मामला है एवं रेलवे बोर्ड से सबंधित है। यह नीतिगत मामला है।
5.2	कुछ ट्रेनों के किराये में वृद्धि की जानी चाहिए जिससे रेल राजस्व में वृद्धि हो सके।	प्रमुवाप्र	वणिज्य परिपत्र सं. 65/2019 दिनांक 31.12. 2019 के द्वारा यात्री भाड़े में मामूली वृद्धि की गइ है जो कि दिनांक 01.01.2020 से प्रभावित है।
6.0	**श्री प्रभात रंजन सिंह, महासचिव/ईसीआरपीओए**		
6.1	ऑपरेटिंग खर्चों को कम करना और आय को बढाना ; इस पर ध्यान देने से हमारी रेलवे की वित्तीय व्यवस्था में सुधार किया जा सकता है।	प्रमुपरिप्र	ऑपरेटिंग खर्चों को कम करने एवं आय बढ़ाने का हर संभव प्रयास किया जा रहा है ।
6.2	जो हमारी पापुलर ट्रेनें हैं उसका समुचित उपयोग अच्छे कार्य व्यवस्था के साथ किया जाय ।	प्रमुपरिप्र	सभी गाड़ियों का परिचालन अधिक गति बढ़ाकर, अधिकतम लोड चलाकर एवं समयपालन सुनिश्चित करते हुए समयबद्ध तरीकों से युक्त कार्य व्यवस्था के साथ किया जा रहा है ।
6.3	प्राईवेट एजेंसियों के कार्य में पारदर्शिता हो , उसके कार्य से संबंधित डिस्पले बोर्ड भी हो इस संबंध में रेलवे बोर्ड के गाईड लाईन को भी ध्यान में रखा जाय।	सभी प्रधान विभागाध्यक्ष	अनुपालन हेतु नोट किया गया।– **प्रमुइं** प्राईवेट एजेंसी के तहत् कर्मी की तैनाती करते समय नियमानुसार कार्रवाई करते हुए पूरी पारदर्शिता **वर्ती जाती है।– मुसुआ** इस प्रकार की व्यवस्था होने से रेलवे के आगामी भविष्य की रूप–रेखा को सही रूप से तैयार करने मे मदद मिलेगा।–**प्रविस** नोट किया गया। – **प्रमुसिदूइं** नोट किया गया। – **प्रमुविइं** परिचालन विभाग से संबंधित नहीं है। – **प्रमुपरिप्र** सुनिश्चित किया जाता है।–**प्रमुचिनि** नोट किया गया, भविष्य में सुनिश्चित किया जाएगा।–**प्रमुसाप्र**

			संरक्षा विभाग से संबंधित नही है।–मुसंधि इस संबंध में निर्देश जारी किया गया है। –**प्रमुवाप्र** इसका अनुपालन किया जाता है।–**प्रमुयांई**
7.0	**श्री सन्नी सिंहा, महासचिव/ईसीआरओए**		
7.1	हम सबों को अपने आप को इंप्रुव करने की जरूरत है ताकि इस पहलु की जरूरत ही न पड़े।	सभी प्रधान विभागाध्यक्ष	अनुपालन हेतु नोट किया गया।– **प्रमुइं** रेलवे का हर कर्मचारी रेलवे को आधुनिक व प्रगतिशील बनाने में हर सम्भव प्रयत्नशील है।–**प्रविस** नोट किया गया। – **प्रमुसिदूइं** नोट किया गया। – **प्रमुविइं** मल्टीस्कीलिंग स्टॉफ प्रोडक्टिविटी बढ़ाने हेतु प्रशिक्षण व अन्य कार्य प्राथमिकता के आधारपर किया जा रहा है तथा इस विषय पर गहनता पूर्वक कार्य किया जा रहा है। – **प्रमुपरिप्र** नोट किया गया। – **प्रमुकाधि** नोट किया गया, भविष्य में सुनिश्चित किया जाएगा।–**प्रमुसाप्र** नोट किया गया। –**मुसंधि** वाणिज्य विभाग के सभी कर्मचारियों की प्रोड्क्टिविटी व अपने आप को इम्प्रूव करने के लिए प्रोड्क्टिविटी सक्ष्म के तहत वर्ष 2018 एवं 2019 में प्रशिक्षण दिया गया है। –**प्रमुवाप्र** नोट किया गया।–**प्रमुयांई**
8.0	**श्री एस.एन.सिंहा, प्रधान मुख्य यांत्रिक इंजीनियर**		
8.1	हमारे स्टाफ की प्रोड्क्टीविटी कम है तथा स्टाफ कास्ट ज्यादा है इसमें सुधार की आवश्यकता है। इसे ठीक करना चाहिए।	सभी प्रधान विभागाध्यक्ष	अनुपालन हेतु नोट किया गया।– **प्रमुइं** स्टाफ कोस्ट में कमी हेतु समुचित यार्डस्टिक/बेंचमार्किंग की आवश्यकता है।–**प्रविस** नोट किया गया। – **प्रमुसिदूइं** नोट किया गया। – **प्रमुविइं** मल्टीस्कीलिंग स्टॉफ प्रोड्क्टिविटी बढ़ाने हेतु प्रशिक्षण व अन्य कार्य प्राथमिकता के आधारपर किया जा रहा है तथा इस विषय पर गहनता पूर्वक कार्य किया जा रहा है। – **प्रमुपरिप्र** नोट किया गया। – **प्रमुचिनि** नोट किया गया। – **प्रमुकाधि** नोट किया गया, भंडार विभाग में कर्मचारियों की कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए समय–समय पर प्रशिक्षण की व्यवस्थाउकी जाती है। –**प्रमुसाप्र** नोट किया गया। –**मुसंधि** वाणिज्य विभाग के सभी कर्मचारियों की

			प्रोड्क्टिविटी व अपने आप को इम्प्रूव करने के लिए प्रोजेक्टिविटी सक्ष्म के तहत वर्ष 2018 एवं 2019 में प्रशिक्षण दिया गया है। –**प्रमुवाप्र** नोट किया गया।**–प्रमुयांई**
8.2	स्टाफ प्रोड्क्टीविटी को बढाने के लिए स्टाफ में मल्टी स्कीलिंग लाना जरूरी है अतः इसे देखना जरूरी है।	सभी प्रधान विभागाध्यक्ष	अनुपालन हेतु नोट किया गया।– **प्रमुइं** स्टाफ में मल्टी स्कीलिंग आ जाने से कार्य को समयानुसार संपन्न किया जा सकता है। **–प्रविस** नोट किया गया। – **प्रमुसिदूइं** नोट किया गया। – **प्रमुविइं** मल्टीस्कीलिंग स्टॉफ प्रोडक्टिविटी बढ़ाने हेतु प्रशिक्षण व अन्य कार्य प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है तथा इस विषय पर गहनता पूर्वक कार्य किया जा रहा है। – **प्रमुपरिप्र** नोट किया गया। – **प्रमुचिनि** कर्मचारियों को समय–समय पर प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। प्रोजेक्ट सक्षम के अंर्तगत सभी कर्मचारियों को स्कील डेवलपमेंट का प्रशिक्षण प्रदान किया गया है।– **प्रमुकाधि** कर्मचारियों में मल्टी स्किल में सुधार हेतू प्रशिक्षण की व्यवस्था की जाती है।**–प्रमुसाप्र** नोट किया गया। **–मुसंधि** स्टाफ में मल्टी स्किलिंग लाने हेतु वाणिज्य विभाग के स्टाफ के विभिन्न संवर्गों को एक संवर्ग में लाये जाने का प्रस्ताव किया जा रहा है।–**प्रमुवाप्र** नोट किया गया।**–प्रमुयांई**
8.3	आउटसोर्सिंग के काम यदि हम करते हैं तो प्रोड्क्टिविटी बढाने में सफलता मिल सकती है अतः हमें इस दिशा में कार्य करने की जरूरत है।	सभी प्रधान विभागाध्यक्ष	**अनुपालन हेतु नोट किया गया।– प्रमुइं** इस बिन्दु पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। **–प्रविस** नोट किया गया। – **प्रमुसिदूइं** नोट किया गया। – **प्रमुविइं** मल्टीस्कीलिंग स्टॉफ प्रोड्क्टिविटी बढ़ाने हेतु प्रशिक्षण व अन्य कार्य प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है तथा इस विषय पर गहनता पूर्वक कार्य किया जा रहा है। – **प्रमुपरिप्र** नोट किया गया। – **प्रमुचिनि** कार्यो की प्रकृति का निर्धारण रेलवे बोर्ड द्वारा प्राप्त निर्देशों के अंतर्गत किया जाता है।– **प्रमुकाधि** संरक्षा विभाग से संबंधित नही है।**–मुसंधि** इस सम्बन्ध में निर्देश जारी किया गया है ।–**प्रमुवाप्र** नोट किया गया।**–प्रमुयांई**

9.0	**श्री ध्रुव सिंह, प्रधान वित्त सलाहकार**		
9.1	यह जरूरी नहीं कि जहां निजीकरण हुआ है वहां प्रोडक्शन बढ़े हैं, अतः हम निजीकरण के बजाय अपनी कार्यकुशलता को बढायें।	सभी प्रधान विभागाध्यक्ष	अनुपालन हेतु नोट किया गया।— **प्रमुइं** इस बिन्दु पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। —**प्रविस** नोट किया गया। — **प्रमुसिदूइं** नोट किया गया। — **प्रमुविइं** मल्टीस्कीलिंग स्टॉफ प्रोडक्टिविटी बढ़ाने हेतु प्रशिक्षण व अन्य कार्य प्राथमिकता के आधारपर किया जा रहा है तथा इस विषय पर गहनता पूर्वक कार्य किया जा रहा है। — **प्रमुपरिप्र** नोट किया गया। — **प्रमुचिनि** नोट किया गया। — **प्रमुकाधि** नोट किया गया —**प्रमुसाप्र** संरक्षा विभाग से संबंधित नही है।—**मुसंधि** इस सम्बन्ध में निर्देश जारी किया गया है ।–**प्रमुवाप्र** नोट किया गया।—**प्रमुयांई**
10.0	**श्री एन.पी.सिंहा, प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक**		
10.1	हमें घाटा को पुरा करने के लिए नये बिजनेस मॉडल को लाना होगा ताकि फिर से हम अपने आपको खड़ा कर सकें।	सभी प्रधान विभागाध्यक्ष	नितीगत मामला है।— **प्रमुइं** इस बिन्दु पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। —**प्रविस** नोट किया गया। — **प्रमुसिदूइं** नोट किया गया। — **प्रमुविइं** मल्टीस्कीलिंग स्टॉफ प्रोडक्टिविटी बढ़ाने हेतु प्रशिक्षण व अन्य कार्य प्राथमिकता के आधारपर किया जा रहा है तथा इस विषय पर गहनता पूर्वक कार्य किया जा रहा है। — **प्रमुपरिप्र** नोट किया गया। — **प्रमुचिनि** नोट किया गया। — **प्रमुकाधि** नोट किया गया, अनुपालन किया जा रहा है।—**प्रमुसाप्र** संरक्षा विभाग से संबंधित नही है।—**मुसंधि** इस संबंध में निर्देश जारी किया गया है ।–**प्रमुवाप्र** नोट किया गया।—**प्रमुयांई**
10.2	मांग के अनुसार व्यापार को बढाना पड़ेगा इसके लिए हमें समय के अनुसार अपने आपको बदल कर सक्षम साबित करना होगा ।	सभी प्रधान विभागाध्यक्ष	अनुपालन हेतु नोट किया गया।— **प्रमुइं** इस दिशा में उचित व सराहनीय कदम उठाने की नितांत आवश्यकता है। —**प्रविस** नोट किया गया। — **प्रमुसिदूइं** नोट किया गया। — **प्रमुविइं** मल्टीस्कीलिंग स्टॉफ प्रॉडक्टिविटी बढ़ाने हेतु प्रशिक्षण व अन्य कार्य प्राथमिकता के आधारपर किया जा रहा है तथा इस विषय पर गहनता पूर्वक कार्य किया जा रहा है। — **प्रमुपरिप्र** नोट किया गया। — **प्रमुचिनि** नोट किया गया। — **प्रमुकाधि** नोट किया गया, अनुपालन किया जा रहा है।—**प्रमुसाप्र**

			संरक्षा विभाग से संबंधित नही है।**–मुसंधि** इस सम्बन्ध में निर्देश जारी किया गया है ।**–प्रमुवाप्र** नोट किया गया।**–प्रमुयांई**
11.0	**श्री राजेश कुमार, प्रधान मुख्य सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर**		
11.1	आज का जो समय है वह बिल्कुल कंज्युमर ड्रिवेन है, उपभोक्ता को अच्छी सर्विस और अच्छी से अच्छी प्रोडक्ट चाहिए। अतः सुधार की जरूरत है चाहे जिस माध्यम से हो इस संबंध में तेजस एक एक्सपेरिमेंट है क्योंकि सारा इन्फ्रास्ट्रक्चर रेल के ही पास है । अतः हमें उपभोक्ताओं को यह सब करके अपने आपको सक्षम साबित करने की जरूरत है ।	सभी प्रधान विभागाध्यक्ष	अनुपालन हेतु नोट किया गया।**– प्रमुइं** इस संबंध में तेजस पहली कारपोरेट ट्रेन जिसे एक प्रयोग माना जा सकता है, रेलवे की इस दिशा में यह सराहनीय कदम है। इसमें कंज्युमर को आकर्षित करने हेतु वर्ल्ड क्लास सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया गया है जिसकी निरन्तरता बनाये रखा जाए साथ. ही.साथ भारतीय रेलों में सफर करने वाले कंज्युमर द्वारा चिन्हित सुविधाओं जिन्हें वो चाहते है, को अमल में लाने का हमसबो को हर संभव प्रयास करते रहना चाहिए।**–प्रविस** नोट किया गया। **– प्रमुसिदूइं** नोट किया गया। **– प्रमुविइं** मल्टीस्कीलिंग स्टॉफ प्रोडक्टिविटी बढ़ाने हेतु प्रशिक्षण व अन्य कार्य प्राथमिकता के आधारपर किया जा रहा है तथा इस विषय पर गहनता पूर्वक कार्य किया जा रहा है। **– प्रमुपरिप्र** नोट किया गया। **– प्रमुचिनि** नोट किया गया। **– प्रमुकाधि** भंडार विभाग के द्वारा हमेशा 'राइट क्वालिटी मैटेरियल' की खरिदारी की जाती है एवं भविष्य में सुनिश्चित किया जाएगा।**–प्रमुसाप्र** संरक्षा विभाग से संबंधित नही है।**–मुसंधि** नोट किया गया। **–प्रमुवाप्र** नोट किया गया।**–प्रमुयांई**
12.0	**श्री ब्रजेश कुमार, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/उत्तर**		
12.1	हम सबों को वर्क कल्चर चेंज करना होगा ताकि स्टाफ कॉस्ट कम हो सके।	सभी प्रधान विभागाध्यक्ष	अनुपालन हेतु नोट किया गया।**– प्रमुइं** इस बिन्दु पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। **–प्रविस** नोट किया गया। **– प्रमुसिदूइं** नोट किया गया। **– प्रमुविइं** मल्टीस्कीलिंग स्टॉफ प्रॉडक्टिविटी बढ़ाने हेतु प्रशिक्षण व अन्य कार्य प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है तथा इस विषय पर गहनता पूर्वक कार्य किया जा रहा है। **– प्रमुपरिप्र** नोट किया गया। **– प्रमुचिनि** नोट किया गया। **– प्रमुकाधि** नोट किया गया, अनुपालन किया जा रहा है।**–प्रमुसाप्र** नोट किया गया। **–मुसंधि** वाणिज्य विभाग के सभी कर्मचारियों का वर्क कल्चर बेहतर बनाने के लिए प्रोजेक्ट सक्षम के तहत वर्ष

			में 2019 एवं 2018प्रशिक्षण दिया गया है ।–**प्रमुवाप्र** नोट किया गया। **–प्रमुयांई**
13.0	**डॉ.आर.एन.राय,प्रमुख मुख्य चिकित्सा निदेशक**		
13.1	हमें अपनी कार्यप्रणाली में बदलाव लानी होगी।	सभी प्रधान विभागाध्यक्ष	अनुपालन हेतु नोट किया गया।– **प्रमुइं** इस संबंध में समय–समय पर जोनल स्तर पर कार्यप्रणाली की समीक्षा की आवश्यकता है ।**–प्रविस** नोट किया गया। – **प्रमुसिदूइं** नोट किया गया। – **प्रमुविइं** मल्टीस्कीलिंग स्टॉफ प्रोडक्टिविटी बढ़ाने हेतु प्रशिक्षण व अन्य कार्य प्राथमिकता के आधारपर किया जा रहा है तथा इस विषय पर गहनता पूर्वक कार्य किया जा रहा है। **– प्रमुपरिप्र** नोट किया गया। – **प्रमुचिनि** नोट किया गया। – **प्रमुकाधि** नोट किया गया।**–प्रमुसाप्र** नोट किया गया। **–मुसंधि** वाणिज्य विभाग की कार्यप्रणाली में सुधार हेतु निरंतर मोनिटरिंग की जाती है ।–**प्रमुवाप्र** नोट किया गया।**–प्रमुयांई**
14.0	**श्री अरूण कुमार शर्मा, अपर महाप्रबंधक**		
14.1	जहां तक कास्ट कटिंग की बात है तो सबसे बड़ी कास्ट कटिंग हमारे कर्मचारियों की आती है अतः मल्टी स्कीलिंग आज के समय की पुकार है उदाहरणार्थ कोचिंग में ही देखें तो एक ही काम करने के लिए चार तरह के स्टाफ हैं जिसे कम किया जा सकता है। इस तरह के आईडियाज को हर विभाग में लाने होंगे और कास्ट कटिंग करके हम प्राईवेट कंपीटिशन में सक्षम हो सकते हैं।	सभी प्रधान विभागाध्यक्ष	अनुपालन हेतु नोट किया गया।– **प्रमुइं** विभागीय कर्मचारियों की संख्या कम कर तथा एक ही प्रकार के स्टाफ को विभिन्न प्रकार के ट्रेनिंग देकर मल्टीस्किल्ड बनाकर इस दिशा में काफी प्रगति किया जा सकता है ।**–प्रविस** अनुपालन हेतु नोट किया गया।– **प्रमुसिदूइं** नोट किया गया। – **प्रमुविइं** मल्टीस्कीलिंग स्टॉफ प्रोडक्टिविटी बढ़ाने हेतु प्रशिक्षण व अन्य कार्य प्राथमिकता के आधारपर किया जा रहा है तथा इस विषय पर गहनता पूर्वक कार्य किया जा रहा है। **– प्रमुपरिप्र** नोट किया गया। – **प्रमुचिनि** नोट किया गया। – **प्रमुकाधि** नोट किया गया, अनुपालन किया जा रहा है ।**–प्रमुसाप्र** नोट किया गया। **–मुसंधि** स्टाफ में मल्टी स्किलिंग लाने हेतु वाणिज्य विभाग के स्टाफ के विभिन्न संवर्गों को एक संवर्ग में लाये जाने का प्रस्ताव किया जा रहा है ।–**प्रमुवाप्र** वर्तमान में Coaching and EnHM में Comprehensive contracts जिससे कि न केवल Cost cutting बल्कि एजेंसी की जिम्मेवारी भी तय की जा सकती हैं, निम्नलिखित कार्य इस पद्धति में कराए जा

			रहे हैं: 1. OBHS एवं Coach attendant के बदले Coach Mitra नियुक्त किये गये हैं। 2. सभी कोचिंग डिपो के समीप स्थित स्टेशनों में एकल पद्धति पर Pest & Rodent Control का कार्य किया जा रहा है। Housekeeping contracts के Cost cutting के संदर्भ में सभी मंडलों से सुझावों को संकलित कर रेलवे बोर्ड को भेजा गया है।–**प्रमुयांई**

*****